स्नातक चतुर्थ वर्षीय

पाठ्यक्रम

(CBCS)

पर आधारित

विषय-प्राकृत एवं जैनशास्त्र

14/6/23 14/06/23

Study Origin.com

Prakrit

(A) Major Core Courses

Sl. No.	Sem	Type of Course	Name ofCourse	Credits	Marks
1.	I	MJC-1	प्राकृत भाषा की उत्पति,विकासएवंउनकी विशेषताएँ	6	100
2.	II	MJC-2	भाषिक टिप्पणियाँएवं प्राकृत व्याकरण	6	100
3.	III	MJC-3	प्राकृत लाक्षणिक साहित्य का इतिहास :अलंकार, वृत्त (छन्द), रूप तत्व: शब्द रूप एवं धातु रूप	5	100
4.	III	MJC-4	आगम,अंगएवंउपांग साहित्यका इतिहास	4	100
5.	IV	MJC-5	शौरसेनी प्राकृत साहित्य के ग्रन्थकार का सामान्य परिचय	5	100
6.	IV	MJC-6	महाराष्टी महाकाव्य, खण्ड काव्य एवं चरित काव्य	5	100
7.	IV	MJC-7	सट्टक साहित्य का सामान्य परिचय, प्रमुख विशेषताएँ एवं नाटिका से अन्तर	5	100
8.	V	MJC-8	समराइच्चकहा – प्रथमभावएवंभविस्सयत्तकहा – महेश्वर सूरि– गाथा	5	100
9.	V	MJC-9	आचारांग – प्रथमश्रुत स्कन्ध, प्रथम अध्ययन – सत्थपरिण्णा, द्वितीय अध्ययन–लोकविजय,एवंनवम अध्ययन – उपधानश्रुत।	5	100
10.	VI	MJC-10	उत्तराध्ययन – प्रथमअध्ययन–विनयसूत्र नवां अध्ययन नमिपवज्जा,तेईसवाँअध्ययन– केशी – गौतमएवं उपासकदशाध्ययन–सातवाँ अध्ययन (शब्दालपुत्रकुम्हकार)	4	100
11.	VI	MJC-11	सेतुबन्ध (प्रवरसेन) – प्रथम आश्वास एवं गउडवहो (वाक्पतिराज) – मंगलाचरण, कृष्ण स्तुतिप्रकरण	5	100
12.	VI	MJC-12	कंसवहो– प्रथम एवं द्वितीय सर्ग एवं योगसार – योगीन्दु देव –1 से 50 गाथा	5	100
13.	VII	MJC-13	पाहुडदोहा– मुनिराम सिंह –1 से 100 गाथाएवं णायकुमार चरिउ – प्रथम दो संन्धि	5	100
14.	VII	MJC-14	पउम चरिउ – स्वयंभू कृत (22वीं एवं 23वीं संधि)एवं मृच्छकटिकम् (शूद्रक) – केवल प्राकृत भाग	5	100
15.	VII	MJC-15	कर्पूरमंजरी (राजशेखर)एवं तत्त्वार्थ सूत्र(प्रथम, सप्तमएवं दशमअध्याय)	6	100
16.	VII I	MJC-16	समणसूत्र (अनेकान्त एवं स्याद्वाद समन्वय सूत्र)	4	100

Sub Total = 80

StudyOrigin.com

(A) Major Core Course

B.A. प्रथम वर्ष, सेमेस्टर-I

Sl. No.	Sem.	Type of Course	Name Of Course	Credit	L-T-P	Marks
1.	I	MJC-1	**प्राकृत भाषा की उत्पति, विकास एवं उनकी विशेषताएँ-** इकाई–**I**-प्राकृत भाषा की व्युत्पति एवं विकास, भाषा की परिभाषा, भाषा और बोली में अन्तर, भाषा का विकास, भाषा का अन्य शास्त्रों से सम्बन्ध। इकाई–**II**-वैदिक साहित्य में प्राकृत के तत्त्व। इकाई–**III**-प्राकृत भाषा के भेद- मागधी, अर्धमागधी, शौरसेनी,महाराष्ट्री पैशाची, अपभ्रंश। इकाई–**IV**-प्राकृत के सामान्य नियम, अर्थ परिवर्तन, ध्वनि परिवर्त्तन, भाषा की परिवर्त्तनशीलता। इकाई–**V**-व्याकरण-संधि, कारक, समास, शब्द रूप, धातु रूप, अनुवाद, हिन्दी से प्राकृत, प्राकृत से हिन्दी।	6	9-3-0 9-3-0 9-3-0 9-3-0 9-3-0	100
			कुल-	**6**	**60**	

सन्दर्भ ग्रंथ-

1. प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ0 नेमिचन्द्र शास्त्री
2. प्राकृत साहित्य का इतिहास-डॉ0 जगदीश चन्द्र जैन
3. अभिनव प्राकृत व्याकरण-डॉ0 नेमिचन्द्र शास्त्री
4. प्राकृत वाक्यरचना बोध-युवाचार्य महाप्रज्ञ
5. प्राकृत भाषा और साहित्य-डॉ0 हरदेव बाहरी

14/6/23

14/06/23

Study Origin.com